20 की उम्र में काम को लेकर बेहद उत्सुक थीं प्रियंका

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा, जो आज अपनी शानदार ग्लोबल मौजूदगी, सफल फिल्मों और रॉयल लाइफस्टाइल के लिए जानी जाती हैं, उनके करियर की शुरुआत उतनी आसान नहीं थी जितनी आज दिखाई देती है. 7 साल बाद बॉलीवुड में फिल्म 'वाराणसी' से वापसी कर रहीं प्रियंका इन दिनों चर्चा में हैं, लेकिन हाल ही में अबू धाबी में आयोजित ब्रिज समिट के दौरान प्रियंका ने इस सफर को बेहद खुलकर साझा किया. उन्होंने बताया कि 20 साल की उम्र में, जब वो इंडस्ट्री में बिल्कुल नई थीं, तब उनके पास चुनने का कोई विकल्प नहीं था. जो काम मिलता, उसे तुरंत स्वीकार कर लेना ही उनका एकमात्र रास्ता था.

प्रियंका कहती हैं 'मैं 20 की थी और लालची थी...मुझे बस काम चाहिए था. कोई भी फिल्म ऑफर होती तो मैं उसे पकड़ लेती.' ये शब्द सिर्फ महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि उस युवा लड़की की कहानी बयां करते हैं जो बड़े सपनों के साथ मुंबई आई थी. प्रियंका बताती हैं कि करियर की शुरुआती दौड़ में उन्हें इतना तेज भागना पड़ा कि कई जरूरी रिश्ते और पल उनसे छूट गए. बेयॉन्से का एक कथन याद करते हुए उन्होंने कहा 'मैंने कई जन्मदिन मिस किए, जब पिता अस्पताल में थे तब भी मैं उनके पास नहीं रह पाई. मैंने क्रिसमस, दिवाली...हर त्योहार मिस किया. परिवार के साथ समय बिताने का मौका भी खो दिया.' उनके लिए ये त्याग आसान नहीं थे, लेकिन जरूरी थे. इंडस्ट्री में जगह बनाना, सम्मान पाना, और अपनी पहचान कायम करना उसके बिना संभव नहीं था. उन्होंने स्वीकारा कि तब लगातार मेहनत करना उनकी मजबूरी थी, क्योंकि मौके आसानी से नहीं मिलते थे. आज, अपनी मेहनत और धैर्य की बदौलत प्रियंका उस मुकाम पर पहुंच चुकी हैं जहाँ वो हर फिल्म, हर प्रोजेक्ट सोचकर चुन सकती हैं.

सोनी सब कलाकारों के हेयरकेयर टिप्स

सोनी सब के कलाकारों ने सर्दियों के दौरान बालों की समस्याओं से निपटने के लिए अपने पसंदीदा हेयरकेयर रूटीन प्रशंसकों के साथ साझा किए हैं. 'पुष्पा इम्पॉसिबल' में जुगल की भूमिका निभा रहे अंशुल त्रिवेदी ने कहा, 'सर्दियां वह मौसम है जब मेरे बाल अतिरिक्त देखभाल की मांग करते हैं. लगातार शूटिंग और यात्रा के साथ, मेरी स्कैल्प रूखी हो जाती है, इसलिए मैं अपने बालों में नियमित रूप से तेल लगाना और एक माइल्ड शैम्पू का उपयोग करना सुनिश्चित करता हूँ. एक अच्छी गरम तेल मॉलिश बालों और दिमाग दोनों के लिए थेरेपी की तरह काम करती है.'

'पुष्पा इम्पॉसिबल' में मधुमिता की भूमिका निभा रहीं सेजल शाह ने बताया, 'ठंडा मौसम बालों को बहुत जल्दी बेजान महसूस करा सकता है, इसलिए मैं पोषण पर ध्यान केंद्रित करती हूँ. डीप कंडीशनिंग सर्दियों में मेरी सबसे अच्छी दोस्त बन जाती है. 'गाथा शिव परिवार की: गणेश कार्तिकेय' में देवी पार्वती की भूमिका निभा रहीं श्रेनु पारिख ने कहा, 'पार्वती के रूप में मैं जो भारी विग और गहने पहनती हूँ, उसके कारण मेरे बालों को विशेष सर्दियों की देखभाल की आवश्यकता होती है. मैं अपनी स्कैल्प को शांत और हाइड्रेटेड रखने के लिए गर्म नारियल तेल की मॉलिश पर भरोसा करती हूँ. 'इत्ती सी खुशी' में हेतल की भूमिका निभा रहीं नेहा एसके मेहता ने कहा, 'सर्दियां प्यारी हैं, लेकिन यह निश्चित रूप से बालों के लिए उतनी अच्छी नहीं है! मैं इस मौसम के दौरान अधिक समृद्ध, अधिक हाइड्रेटिंग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना सुनिश्चित करती हूँ.

अन्विता को निभाना चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा : सुम्बुल

अभिनेत्री सुम्बुल तौकीर खान का कहना है कि सोनी सब के शो 'इत्ती सी खुशी' में अन्विता का किरदार निभाना उनके लिये बेहद चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा है.

सोनी सब का शो 'इत्ती सी खुशी' अन्विता (सुम्बुल तौकीर खान) की दिल छू लेने वाली यात्रा दिखाती है, जिन्होंने हमेशा अपने पिता सुहास (वरुण बडोला) और भाई-बहनों के लिए मजबूती से खड़े रहना सीखा है. उसकी जिंदगी तब जटिल मोड़ लेती है जब विराट (रजत वर्मा) वही शख्स जिसने सगाई के दिन उसे छोड़ दिया था, लौटकर एक और मौका मांगता है, जबकि अन्विता स्पष्ट रूप से कहती है कि वह उस पर दोबारा भरोसा नहीं कर सकती. जैसे ही वह संजय (ऋषि सक्सेना) के साथ आगे बढ़ती है, जिसके छिपे हुए मकसद नए संकट खड़े करते हैं, अन्विता को पुराने घावों और एक अनिश्चित भविष्य के बीच रास्ता निकालना पड़ता है.

आने वाले एपिसोड में, अन्विता की शादी की पहली रात तब बिखर जाती है, जब उसे अपनी मां हेतल (नेहा एसके मेहता) के बारे में छिपे हुए कई सच का पता चलता है. वह महिला जिसने एक समय अपने बच्चों को छोड़ दिया था, प्यार से लौटकर नहीं आई थी, बल्कि उसके पीछे एक और मकसद था.

अन्विता को पता चलता है कि हेतल चुपके से अपने ससुराल में संजय की सुरक्षा में रह रही थी जिससे बच्चों को गोद लेने की प्रक्रिया सुचारू रूप से आगे बढ़ सके. हेतल का अस्थिर व्यवहार भावनात्मक गर्मजोशी से लेकर परेशानी तक अचानक बदलता है, और एक मोड़ पर वह अचानक बेहोश हो जाती है. क्लिनिक में अन्विता को बताया जाता है कि हेतल की मानसिक स्थिति अस्थिर है और उस पर सावधानी से नजर रखने की जरूरत है, जिससे अन्विता को यह पता चलता है कि उसकी माँ की वापसी उसकी सोच से कहीं अधिक जटिल है और यह ठीक उस समय उसे भावनात्मक रूप से घेर लेती है जब वह अपनी नई जिंदगी की शुरुआत करना चाह रही थी.

शीजान खान ने खोला एक राज : 'यह स्टंट मैंने खुद किया'

जी टीवी का शो 'गंगा माई की बेटियां' एक ऐसा एपिसोड लेकर आ रहा है जिसमें लगातार बढ़ता तनाव, तेज रफ्तार घटनाएं और दिल थाम लेने वाले पल देखने मिलेंगे. नए प्रोमो में दिखाया गया है कि किस तरह एक भयंकर आग की घटना स्नेहा (अमनदीप सिद्धू) और सिद्धू (शीजान खान) के रिश्ते की दिशा हमेशा के लिए बदल देती है. प्रोमो में यह बड़ा मोड़ साफ नजर आता है, जब सिद्धू अपनी जान की परवाह किए बिना स्नेहा और उसके परिवार को बचाने के लिए आग में कूद पड़ता है, जिससे दर्शक भी सन्न रह जाते हैं. यह हादसा उस दिन होता है जो स्नेहा के लिए खास होना चाहिए था. उसके कॉलेज में सम्मान समारोह होता है, जिसमें उसकी मां गंगा माई (शुभांगी लटकर) और उसकी बड़ी बहन मौजूद होती हैं. लेकिन इन्दु रानी (श्रद्धा जैसवाल) की जलन और बुरी नीयत इस खुशी के पल को डर और अफरातफरी में बदल देती है. तभी सिद्धू एक अनदेखे सहारे की तरह सामने आता है. अपने दिल में अब तक खामोश, एकतरफा मोहब्बत लिए सिद्धू का यह कदम दिखाता है कि उसका लगाव कितना गहरा और सच्चा है. तेज आग, जलते हुए पटाखों और बढ़ते खतरे के बीच वो खुद को जोखिम में डालकर स्नेहा और उसके परिवार को बचाने की कोशिश करता है. इस चैलेंजिंग सीक्वेन्स के बारे में बात करते हुए शीज़ान खान कहते हैं, 'जब मुझे पहली बार इस सीक्वेन्स का ब्रीफ मिला, तो मैं सोच रहा था कि इसे कैसे किया जाएगा क्योंकि साफ था कि यह बहुत मुश्किल होने वाला है.

देखिए हप्पू और जीतू का डबल ट्रबल मोमेंट

'**घरवाली** पेड़वाली' जल्द ही एण्डटीवी पर आने वाला है, और सबका उत्साह आसमान छू रहा है. शो के मुख्य कलाकार-जीतू (पारस अरोड़ा), लतिका (प्रियंवदा कांत) और सावी (सीरत कपूर) हाल ही में 'हप्पू की उलटन पलटन' के सेट पर एक मजेदार, शरारती और धमाकेदार शूटिंग करने पहुंचे. जैसा कि हम सब जानते हैं कि दरोगा हप्पू सिंह (योगेश त्रिपाठी) भारतीय टीवी के सबसे पसंदीदा और मशहूर किरदारों में से एक बने हुए हैं. और अब जीतू भी इसी हंसी-मजाक, उलझनों और ड्रामे वाली दुनिया में कदम रखने को तैयार है. इस क्रॉसओवर सीन में आप देखेंगे कि हप्पू थाने में बिजी है. तभी बनारस का जीतू पांडे एक अजीब समस्या लेकर आता है. जीतू को हमेशा से 'दो' नंबर से चिढ़ थी, लेकिन शादी के बाद ये उल्टा पड़ गया. नंबर से बचने की कोशिश में मुश्किलें दोगुनी हो गईं! अब उसके पास दो-दो बीवियां हैं, और उनमें से एक तो आकर्षक लेकिन डरावनी भूतनी भी है. जीतू की बात सुनकर हप्पू कन्फ्यूज हो जाता है, और उसकी आंखें खुली की खुली रह जाती हैं. तो, क्या हप्पू ये अजीब केस सुलझा पाएगा? जवाब तो एपिसोड में ही है तो इसे देखना ना भूलें! शूटिंग के बारे में बात करते हुए, पारस अरोड़ा (जीतू) कहते हैं, 'हप्पू सिंह के साथ सीन करना बिल्कुल धमाल था.

परफेक्ट फैमिली लौटेगी नए सीजन संग

डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर तहलका मचाने वाली वेब सीरीज़ 'परफेक्ट फ़ैमिली' के प्रशंसकों के लिए बड़ी खबर सामने आई है. पहले सीज़न की अप्रत्याशित सफलता, लगातार बढ़ते व्यूज़ और दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रियाओं के बाद मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर घोषणा कर दी है कि यह लोकप्रिय सीरीज़ अब सीज़न 2 के साथ वापसी करने जा रही है.

यह शो खास इसलिए भी रहा था क्योंकि यह पंकज त्रिपाठी का डेब्यू प्रोडक्शन वेंचर था. रिलीज़ के बाद से ही इस सीरीज़ ने दर्शकों में मानसिक स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील विषय पर जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ कहानी और अभिनय के चलते गहरी छाप छोड़ी. यूट्यूब पर लगातार बढ़ती लोकप्रियता ने मेकर्स को अगले अध्याय की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है. प्रोड्यूसर अजय राय ने दर्शकों के प्यार के लिए आभार जताते हुए कहा कि टीम सीज़न 2 की दिशा में काम कर रही है और यह प्रतिक्रिया उनके लिए बेहद प्रेरणादायक रही है. उन्होंने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषय को जिस खुलकर स्वीकार्यता के साथ लोगों ने अपनाया, वह टीम के लिए उम्मीद से भी बढ़कर है. हालांकि उन्होंने यह भी साफ किया कि अभी सीज़न 2 की कहानी या रिलीज़ टाइमलाइन बताना जल्दबाज़ी होगी. लेकिन तैयारियां शुरू हो चुकी हैं.

न्यू मॉम कियारा का ग्लैमरस नाइट आउट

कियारा आडवाणी ने जुलाई 2025 में अपनी बेटी सारायाह मल्होत्रा का स्वागत किया था. मां बनने के बाद उन्होंने कुछ महीनों तक पूरी तरह अपने बच्चे और परिवार को प्राथमिकता दी. लेकिन अब पांच महीने बाद कियारा धीरे-धीरे प्रोफेशनल लाइफ में भी एक्टिव होने लगी हैं.

हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी चार ग्लैमरस तस्वीरें पोस्ट कर फैंस को सरप्राइज दे दिया. इन तस्वीरों में कियारा नारंगी कलर की स्टाइलिश ड्रेस में नजर आ रही हैं, जिसमें उनका न्यू मॉम ग्लो बिल्कुल साफ दिखाई देता है. कियारा ने इन तस्वीरों को कैप्शन दिया— 'मम्माज नाइट आउट...' इस एक लाइन ने फैंस को बता दिया कि अभिनेत्री ने अपनी बेटर हाफ और दोस्तों के साथ थोड़ी देर की मस्ती भरी शाम बिताई. उनकी पोस्ट पर बॉलीवुड सेलेब्स, फैशन पेज और फैंस लगातार कमेंट कर रहे हैं और उनकी फिटनेस, स्टाइल और स्माइल की तारीफ कर रहे हैं.

रणवीर की 'धुरंधर' 152 करोड़ क्लब में शामिल

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह की हाई-ऑक्टेन एक्शन-थ्रिलर 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर लगातार धमाल मचा रही है. 05 दिसंबर को देशभर में करीब 5,000 स्क्रीन्स पर रिलीज़ हुई इस फिल्म ने मात्र पांच दिनों में 152 करोड़ रुपये से अधिक का घरेलू कारोबार कर लिया है. फिल्म में रणवीर सिंह के साथ अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर. माधवन और अर्जुन रामपाल की दमदार भूमिकाएँ दर्शकों को खूब पसंद आ रही हैं.

आदित्य धर द्वारा लिखित, निर्देशित और निर्मित 'धुरंधर' को ज्योति देशपांडे और लोकेश धर ने प्रोड्यूस किया है, जबकि जियो स्टूडियोज़, बी62 स्टूडियोज़ और सारेगामा ने इसे पेश किया है. फिल्म ने पहले दिन 28 करोड़, दूसरे दिन 32 करोड़, तीसरे दिन 43 करोड़ और चौथे दिन 23.25 करोड़ की कमाई की. शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार पांचवें दिन फिल्म ने 26.50 करोड़ का व्यवसाय किया, जिससे कुल कमाई 152 करोड़ रुपये तक पहुँच गई.

फिल्म की बढ़ती सफलता के बीच मेकर्स ने इसका नया गाना 'शरारत' भी रिलीज़ कर दिया है, जिसने फिल्म की चर्चा को और बढ़ा दिया है. रंगों और जश्न से भरे इस ट्रैक को जेस्मिन सैंडलस और मधुबंती बागची की दमदार आवाज़ों ने खास बना दिया है.

नई रिसर्च : स्किन सेल से एग्स तैयार

वैज्ञानिकों ने हाल ही में मानव प्रजनन विज्ञान में एक नई सफलता हासिल की है. एक नई रिसर्च में उन्होंने इंसान की स्किन सेल का उपयोग करके ऐसे अंडाणु (एग्स) बनाए जो प्रारंभिक मानव भ्रूण (एम्ब्रियो) में बदलने की क्षमता रखते हैं. यह प्रयोग रिप्रोडक्टिव साइंस की दुनिया में एक बड़ा कदम माना जा रहा है.

भविष्य में इसी तकनीक के ज़रिए वे लोग भी माता-पिता बन सकेंगे जिनके पास स्वस्थ अंडाणु या शुक्राणु नहीं होते. हालांकि, वैज्ञानिकों का कहना है कि यह तरीका अभी पूरी तरह सुरक्षित नहीं है और सफल परिणाम पाने में कई साल लग सकते हैं. इंसान का जन्म सामान्य रूप से एक अंडाणु और एक शुक्राणु के मिलने से होता है. कई बार किसी कारण से किसी व्यक्ति के पास ये प्रजनन कोशिकाएं उपलब्ध नहीं होतीं. इस समस्या को हल करने के लिए वैज्ञानिक लंबे समय से प्रयास कर रहे थे कि शरीर की किसी दूसरी कोशिका से अंडाणु या शुक्राणु तैयार किया जा सके. इस नई रिसर्च में, वैज्ञानिकों ने एक मानव त्वचा कोशिका का डीएनए लेकर उसे दान किए गए अंडाणु की खाली कोशिका में डाल दिया. इसके बाद उस अंडाणु को मियोसिस जैसी प्रक्रिया से गुजरना पड़ा, जिसमें उसे अपने अतिरिक्त क्रोमोसोम निकालने थे.

इस प्रयोग में रिसर्चर्स ने पहले दान किए गए अंडाणु का न्यूक्लियस निकाल दिया, फिर स्किन सेल का न्यूक्लियस उस अंडाणु में डाला. समस्या यह थी कि त्वचा की कोशिकाओं में 46 क्रोमोसोम होते हैं जबकि अंडाणु में केवल 23 होने चाहिए. इसे ठीक करने के लिए वैज्ञानिकों ने रासायन रोस्कोविटीन का इस्तेमाल किया ताकि अतिरिक्त क्रोमोसोम बाहर निकल सकें.

जेम्स वेब ने खोजी ब्रह्मांडीय लता

अमेरिका के जेम्स वेब स्पेस टेलिस्कोप ने ब्रह्मांड की शुरुआत से जुड़ी एक ऐसी अद्भुत छवि भेजी है जिसने वैज्ञानिक जगत को हैरत में डाल दिया है. इस खोज को नाम दिया गया है कॉस्मिक वाइन, जो एक लंबी, चमकदार ब्रह्मांडीय लता जैसी दिखाई देती है. इसमें करीब 20 युवा आकाशगंगाएँ एक-दूसरे से जुड़कर एक माला की तरह फैली हैं, जिसकी कुल लंबाई लगभग 130 लाख प्रकाश-वर्ष मापी गई है. यह दृश्य उस दौर का है जब बिग बैंग के सिर्फ 1.8 अरब वर्ष ही हुए थे, अर्थात ब्रह्मांड अभी बिल्कुल शुरुआती अवस्था में था.

वैज्ञानिकों के पुराने सिद्धांतों के अनुसार, इतने कम समय में इतनी विशाल और व्यवस्थित संरचना का बन पाना संभव ही नहीं था, लेकिन कॉस्मिक वाइन की खोज ने इन मान्यताओं को चुनौती दे दी है. इससे संकेत मिल रहा है कि उस समय ब्रह्मांड में पदार्थ का संघनन अपेक्षा से कहीं अधिक तेज़ी से हुआ था. इस लता की सबसे खास बात यह है कि इसमें मौजूद लगभग सभी आकाशगंगाएँ तेज़ी से नए तारों का निर्माण कर रही हैं. कुछ आकाशगंगाएँ इतनी तीव्र गति से विकसित हुईं कि उनकी गैस खत्म हो गई और वे कम सक्रिय या शांत हो गईं.

वैज्ञानिकों के अनुसार यह पूरी संरचना एक बेहद पतली कॉस्मिक फिलामेंट, यानी ब्रह्मांडीय धागे पर टिकी है. आज के समय में जो विशाल आकाशगंगा-समूह दिखाई देते हैं, वे भी ऐसे ही धागों पर निर्मित हुए हैं. कॉस्मिक वाइन को ब्रह्मांड का सबसे पुराना और सबसे लंबा 'ब्रह्मांडीय मार्ग' भी कहा जा रहा है, जिस पर बहकर पदार्थ बड़े ढाँचों में बदलता रहा होगा. इस खोज ने वैज्ञानिकों के पुराने मॉडलों पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है. यदि शुरुआती ब्रह्मांड में ही इतनी विशाल संरचना बन गई, तो इसका मतलब है कि गुरुत्वाकर्षण की शक्ति पहले माने गए अनुमान से कहीं अधिक तेजी से काम कर रही थी. साथ ही डार्क मैटर का ढांचा भी सोच से जल्दी बन गया होगा. इन संकेतों से स्पष्ट है कि हमें ब्रह्मांड की उत्पत्ति, विकास और विस्तार की पूरी कहानी को नए सिरे से समझने की आवश्यकता पड़ सकती है. यह तस्वीर इन्फ्रारेड प्रकाश में ली गई है, जो लगभग 1100 करोड़ वर्ष की यात्रा करके हमारे पास पहुँची है. जेम्स वेब स्पेस टेलिस्कोप की क्षमता ही ऐसी है कि वह शुरुआती ब्रह्मांड की इतनी गहराई और स्पष्टता से झलक दिखा सकता है.

वनप्लस 15आर- नया फोन नई उम्मीदें

भारत में स्मार्टफोन प्रेमियों के लिए इस दिसंबर कुछ खास इंतजार है क्योंकि वनप्लस अपनी नई पेशकश वनप्लस 15आर जल्द ही लॉन्च करने वाला है. कंपनी ने घोषणा की है कि यह फोन 17 दिसंबर 2025 को भारत में बाजार में आएगा. वनप्लस 15आर को खास इसलिए माना जा रहा है क्योंकि यह दुनिया का पहला फोन हो सकता है जिसमें क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 8 जेन 5 चिपसेट मिलेगा जो कि प्रदर्शन और गति में आज के स्मार्टफोन्स में सबसे आगे माना जाता है.

डिज़ाइन की बात करें तो उम्मीद है कि यह फोन आकर्षक रहेगा, ड्यूल कैमरा के साथ आएगा और इसके रंग विकल्पों में चारकोल ब्लैक और मिंटी ग्रीन शामिल हो सकते हैं. कहा जा रहा है कि वनप्लस 15आर न सिर्फ तेज़ और पॉवरफुल होगा, बल्कि रोज़मर्रा के इस्तेमाल के लिए भी उपयुक्त है. यानी गेमिंग, वीडियो, मल्टीटास्किंग या सोशल मीडिया सभी के लिए. अगर यह कंपनी के दावों पर खरा उतरता है, तो यह फोन 2025-26 की सबसे महत्वाकांक्षी पेशकशों में से एक साबित हो सकता है.

विशेषज्ञों का कहना है कि इस फोन से युवाओं के साथ टेक शौकीनों की उम्मीदें जुड़ी हैं, क्योंकि बजट, प्रदर्शन, टिकाऊपन और स्टाइल तीनों ही बातों का संतुलन वनप्लस 15आर देने की कोशिश कर रहा है. फिर भी, जैसे हर नए फोन के साथ कुछ सवाल होते हैं, वैसे ही वनप्लस 15आर के साथ भी कुछ उम्मीदें और चुनौतियाँ हैं. कीमत, बैटरी जीवन, कैमरा क्वालिटी और रियल-लाइफ प्रदर्शन ये देखना होगा कि कंपनी ने दावे के मुताबिक संतुलन बनाए रखा है या नहीं.

वनप्लस 15आर की लॉन्चिंग से यह साफ है कि स्मार्टफोन की दुनिया में तेज़, स्टाइलिश और पॉवरफुल विकल्पों की मांग को कंपनी पूरा करने की कोशिश कर रही है.

गूगल ने शुरू किया जेमिनी 3 डीप थिंक

जटिल समस्याओं का मिनटों में हल

गूगल ने अपने जेमिनी ऐप में गूगल एआई अल्ट्रा ग्राहकों के लिए एक बड़ा अपडेट जारी किया है, जिसे नाम दिया गया है जेमिनी 3 डीप थिंक मोड. यह नया संस्करण खास तौर पर उन उपयोगकर्ताओं के लिए बनाया गया है, जिन्हें गणित, विज्ञान और तर्क से जुड़े जटिल सवालों के त्वरित और सटीक हल चाहिए. कंपनी के अनुसार यह उन्नत मॉडल कुछ ही मिनटों में गहन स्तर का विश्लेषण करके समाधान देता है, जो इसे सामान्य एआई मॉडलों से अलग बनाता है.

गूगल के अनुसार जेमिनी 3 डीप थिंक वर्तमान समय में आरसी-एजीआई-2 तर्क बेंचमार्क पर सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला एआई मॉडल है. यह उपलब्धि इसलिए संभव हो सकी है क्योंकि यह मॉडल उन्नत समानांतर तर्क प्रणाली का उपयोग करता है, जिसके तहत यह एक ही समय में कई परिकल्पनाओं का विश्लेषण कर सकता है. यानी उपयोगकर्ता का प्रश्न चाहे जितना जटिल क्यों न हो, मॉडल उसे कई दिशाओं से एक साथ सोचकर अधिक सटीक उत्तर देने की कोशिश करता है.

गूगल ने अपने ब्लॉग में बताया कि डीप थिंक तकनीक का मकसद केवल उत्तर देना नहीं, बल्कि विचार-प्रक्रिया को गहरा और व्यापक बनाना है. यह न केवल सवाल समझता है, बल्कि उसके संभावित हलों के अलग-अलग रास्तों का तुलनात्मक अध्ययन भी करता है. यही कारण है कि यह संस्करण शोधकर्ताओं, छात्रों और तकनीकी पेशेवरों के बीच बेहद उपयोगी माना जा रहा है. इसके पिछले संस्करण जेमिनी 2.5 डीप थिंक, जिसे अगस्त में जारी किया गया था, ने वैश्विक स्तर पर अपनी क्षमता साबित की थी.

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय गणित ओलंपियाड और अंतरराष्ट्रीय कॉलेजिएट प्रोग्रामिंग प्रतियोगिता के विश्व फाइनल में स्वर्ण पदक जीतकर दिखाया था कि यह किस स्तर की विश्लेषण क्षमता रखता है. नए जेमिनी 3 में इस क्षमता को और भी बढ़ाया गया है. गूगल एआई अल्ट्रा ग्राहक ऐप के मॉडल चयन विकल्प (मॉडल ड्रॉपडाउन मेन्यू) में जाकर 'डीप थिंक' और 'जेमिनी 3 प्रो' चुनकर इस नई सुविधा का उपयोग कर सकते हैं. कंपनी का दावा है कि आने वाले समय में यह मॉडल शिक्षण, शोध, प्रोग्रामिंग और वैज्ञानिक विश्लेषण के क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है. जेमिनी 3 डीप थिंक की लॉन्चिंग यह संकेत देती है कि आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस अब केवल तेज़ नहीं, बल्कि अधिक समझदार और गहराई से विश्लेषण करने वाला होता जा रहा है.